भारत सरकार,
गृह मंत्राालय
महानिदेशालय, सशस्त्र सीमा बल
बल मुख्यालय,
आर. के. पुरम, नई दिल्ली–110066
Phone /Fax : 011-26183909
E-mail :assistantdirector.publicity@gmail.com

प्रेस विज्ञप्ति

नई दिल्ली, 17 दिसम्बर, 2016 । आज सशस्त्र सीमा बल के 53वीं वर्षगांठ के अवसर पर 25वीं एस. एस. बी. वाहिनी परिसर, घिटोरनी, नई दिल्ली में आयोजित बल की वार्षिक प्रेस कान्फ्रेन्स को श्रीमती अर्चना रामासुंदरम, महानिदेशक, सशस्त्र सीमा बल ने सम्बोधित किया। इसके पूर्व श्री दीपक कुमार, महानिरीक्षक (प्रचालन एवं आसूचना) बल मुख्यालय, सशस्त्र सीमा बल ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से बल की पिछली एक साल की उपलब्धियों एवं भविष्य की योजनाओं को मीडिया प्रतिनिधियों के सामने रखा।

मीडिया कर्मियों से बात करते हुए श्रीमती अर्चना रामासुंदरम ने कहा कि मानव तस्करी सशस्त्र सीमा बल के लिए एक महत्वपूर्ण विषय है। सशस्त्र सीमा बल भारत–नेपाल एवं भारत–भूटान सीमाओं पर मानव तस्करी को रोकने के लिए विशेष अभियान चला रहा है। इस साल सशस्त्र सीमा बल ने 147 मानव तस्करों को गिरफ्तार कर 503 लोगों को मुक्त कराया। बल की जम्मू एवं कश्मीर राज्य में उपलब्धियों को सराहनीय बताते हुए श्रीमती रामासुंदरम ने कहा कि बल जम्मू एंव कश्मीर राज्य में सराहनीय कार्य कर रहा है। हाल ही में बल की 59वीं वाहिनी के काफिले पर घात लगाकर हमला किया गया। जवाबी कार्रवाई में एस. एस. बी. जवानों ने वीरता के साथ उग्रवादियों का सामना किया। इस कार्रवाई में बल के जवान घनश्याम गुर्जर शहीद एवं सात अन्य जवान घायल हुए। जम्मू एवं कश्मीर में पदस्थापित हमारे जवानों का मनोबल उंचा है एवं वे पूरे अनुशासन के साथ वहाँ राष्ट्र सेवा कर रहे है।

श्रीमती रामासुंदरम ने मीडिया कर्मियों से बातचीत करते हुए आगे बताया कि बल अपनी शक्ति में महिला कर्मियों की संख्या बढ़ाने के लिए सचेत प्रयास कर रहा है। बल ने सर्वप्रथम 2008–09 में 07 कम्पनी महिला कर्मियों की बहाली की। इस तरह बल को पहला केन्द्रीय सीमा रक्षा बल होने का गौरव मिला जिसकी शक्ति में महिला बल शामिल हुआ। अभी हाल में ही गृह मंत्रालय ने बल में नई महिला कम्पनियों की बहाली का अनुमोदन किया है।

भारत–नेपाल सीमा पर विमुद्रीकरण के प्रभाव के बारे में बताते हुए श्रीमती रामासुंदरम ने कहा कि हमारे जवान सीमा पर कोई भी असुविधा नहीं महसूस कर रहें हैं। इस सम्बन्ध में श्री दीपक कुमार, महानिरीक्षक, आसूचना एवं प्रचालन ने कहा कि एस. एस. बी. ने अबतक भारत–नेपाल सीमा पर 55 लाख रूपए विमुद्रित मुद्रा बरामद की है।

बल फिलहाल सोशल मीडिया साइट्स के माध्यम से भी लोगों के साथ प्रत्यक्ष एवं सीधा सम्बन्ध बनाने के लिए सक्रिय है। बल टीवट्र, फेसबुक एवं अन्य सोसल साइट्स पर भी सक्रिय है। बल अपनी वेब साइट www.ssb.nic.in के माध्यम से भी लोगों से जुडा है।

श्रीमती रामासुंदरम ने कहा कि बल केवल सीमा पर सुरक्षा कार्य में ही नहीं संलग्न है बल्कि यह नक्सल प्रभावित बिहार, झारखण्ड एवं छत्तीसगढ़ राज्यों में वामपंथी हिंसा कर प्रभावकारी तरीके से रोकथाम लगाने के कार्य में लगा है। इसके साथ ही यह जम्मू एवं कश्मीर तथा असम राज्यों में आन्तरिक सुरक्षा कार्य में भी संलग्न है। बल अपने कार्य क्षेत्र में आम जनता के कल्याण के लिए कई तरह की कल्याणकारी योजनाएं चला रहा है। इसके साथ ही बल अपने कार्यक्षेत्र में भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं को पूर्ण सफलता दिलाने के लिए भी सक्रिय प्रयास करता है। बल ने जन धन योजना के क्षेत्र में काफी अच्छा कार्य किया है। बल ने अपने प्रयास से 369821 खाते खुलवाएं हैं बल ने सीमाक्षेत्र में 309 विद्यालयों को गोद लेकर वहाँ शौचालय बनवाया है। इसके साथ ही बल स्वच्छ भारत मिशन एवं बेटी बचाओ तथा बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम को भी पूर्ण सफलता दिलाने का प्रयास कर रहा है।

श्रीमती सुंदरम ने आगे यह बताया कि जम्मू एवं कश्मीर, छत्तीसगढ़, उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश, बिहार, असम, अरूणाचल प्रदेश एवं सिक्किम के 08 बालिकाओ का दल दिल्ली आ रहा है जिसमें कुल 145 बालिकायें शामिल हैं। ये बालिकाएं आगामी 21 दिसम्बर 2016 के दिन महामहिम राष्ट्रपति महोदय से मिलेंगी। ये बालिकाएं बल के 53वीं वर्षगांठ पर नई दिल्ली बल के सिवीक एक्शन कार्यक्रम के तहत आ रही है।

इसके पूर्व आज सुबह 25वीं एस. एस. बी. वाहिनी परिसर में महानिदेशक परेड का आयोजन किया गया जिसमें श्रेष्ठ बलकर्मियों को महानिदेशक डिस्क प्रदान किया गया।

प्रेस कान्फ्रेन्स के अन्त में बल की महानिदेशक श्रीमती अर्चना रामासुंदरम ने बल वर्ष 2017 के कैलेन्डर एवं डायरी को जारी किया

Sd/-

सहायक निदेशक (सूचना एवं विकास)